

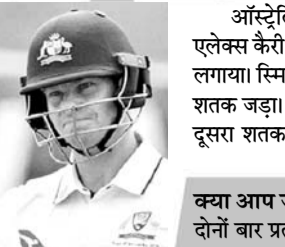


श्रेयस अय्यर को भारत की सफेद गेंद की टीम में स्थायी स्थान नहीं दिया गया है जबकि वह अपनी शानदार फॉर्म और उपमहाद्वीप की धीमी पिचों पर स्पिनरों पर हावी होने की काबिलियत रखते हैं।
-रिकी पॉटिंग

ऑस्ट्रेलियन बल्लेबाज, श्रेयस अय्यर के बारे में बोलते हुए



आज का खिलाड़ी



स्टीव स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शतक लगाया। स्मिथ ने पहले सेंचुरी पूरी की इसके बाद कैरी ने भी शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैरी ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया। स्टीव स्मिथ ने सचिन तेंदुलकर का

राष्ट्रदूत अजमेर, 8 फरवरी, 2025 5

एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वे सबसे कम टेस्ट पारियों में 36 शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने इसके लिए 206 पारियां खेलीं। जबकि सचिन ने 218 पारियां खेली थीं। इस लिस्ट में रिकी पॉटिंग टॉप पर हैं। पॉटिंग ने 200 पारियों में 36 शतक जड़े।

क्या आप जानते हैं?..... 22 साल की उम्र में, मेस्सी ने बैलन डीओर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता, दोनों बार प्रत्येक ट्राफी के इतिहास में सबसे बड़े वोटिंग अंतर से। 'मेसी कुछ इतना तक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

चोटिल सैम अयूब चैंपियंस ट्रॉफी से हुये बाहर

लाहौर 07 फरवरी। पाकिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज सैम अयूब टखने की चोट के कारण आगामी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गये हैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि अयूब दाएं टखने में लगी चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। वह अभी इंग्लैंड में हैं और चोट से पूरी तरह से उबरने तक वह इंग्लैंड में ही रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के साथ केपटाउन टेस्ट में क्षेत्ररक्षण के दौरान उन्हें यह चोट लगी थी और इससे उबरने में उन्हें कम से कम 10 सप्ताह का समय लगेगा। सैम अयूब पाकिस्तान के लिए अभी तक नौ एकदिवसीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस दौरान तीन शतक और एक अर्धशतक बनाया है। अयूब ने इस प्रारूप में 515 रन बनाए हैं। इसके साथ ही पांच विकेट भी लिए हैं। सैम अयूब पाकिस्तान के लिए 27 टी-20 मैचों में 498 रन तथा आठ टेस्ट मैचों में वह 364 रन बना चुके हैं।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ केशव डीडवानिया के नाबाद दोहरे शतक से जीता जयपुर क्लब



जयपुर, 7 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्लब ने सबा क्लब को 122 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर सबा क्लब ने टॉस जीत कर पहले जयपुर क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जयपुर क्लब ने केशव डीडवानिया के 200 रन नाबाद (144 गेंद, 22 चौके, 6 छक्के), कुशाग्र ओझा के 107 रन (88 गेंद, 15 चौके, 1 छक्के), दक्ष कासलीवाल के 18 रन, लोहित केवलिया के 23 रन नाबाद व विवेक सैनी सैनी के 17 रनों से 50 ओवर में 5 विकेट पर 389 रनों का स्कोर बनाया। सबा क्लब के लिए सार्थक त्यागी ने 56 पर 3 व मोहम्मद कैफ ने 22 पर 1 विकेट लिया। केशव डीडवानिया व कुशाग्र ओझा ने चौथे विकेट के लिए 247 रनों की साझेदारी की। जवाबी पारी में सबा क्लब की टीम यथार्थ भारद्वाज के 97 रन, आदित्य वाघवा के 48 रन, मोहम्मद कैफ के 29 रन, अमन खिलजी के 35 रन, मनीष बेदवाल के 21 रन व नीतीराज सिंह के 15 रनों से 50 ओवर में 7 विकेट पर 267 रन ही बना पाई। जयपुर क्लब के लिए मोंटी जायसवाल ने 28 पर 3, लोहित केवलिया ने 57 पर 2, सुमित शर्मा व गौरव मीना ने 1-1 विकेट लिए। आज नीरजा मोदी एकेडमी बनाम जयपुर क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को 260 रन पर समेटा

बुलावायो 06 फरवरी। ब्लेसिंग मुजारबानी (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट मुकाबले के पहले दिन गुरुवार को आयरलैंड को 260 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 72 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आज यहां क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गवां दिये। इसके बाद लोकान टकर और एंडी मैक्ब्राइन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। ट्वेंटर खंड में लोकान टकर (33) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क ऐडेर ने एंडी मैक्ब्राइन के साथ पारी को संभाला और 127 रनों की साझेदारी की। मुजारबानी ने मार्क ऐडेर (78) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एकबार फिर आयरलैंड के विकेट लगातार गिरते चले गये और पूरी टीम 56.4 ओवर में 260 के स्कोर पर सिमट गई। एंडी मैक्ब्राइन (90) रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके लगाये। जिम्बाब्वे की ओर ब्लेसिंग मुजारबानी ने 58 रन देकर सात विकेट लिये। रिचर्ड एनरावा को दो विकेट मिले। ट्वेंटर खंड ने एक बल्लेबाजी को आउट किया।

टी20 में फेल होने के बाद अब रणजी ट्रॉफी खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, 7 फरवरी। सूर्यकुमार यादव भारत की वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे 2023 में खेला था। वहीं वे टी20 फॉर्मेट में कुछ खास नहीं कर सके। अब सूर्या रणजी ट्रॉफी के लिए मैदान पर उतरेंगे। वे मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2025 का क्वार्टर फाइनल मैच खेल सकते हैं। सूर्या शुरुवार को मैदान पर प्रैक्टिस के लिए उतरे। लेकिन सूर्या को कप्तानी नहीं मिलेगी। रणजी ट्रॉफी 2025 का तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच शनिवार से मुंबई और हरियाणा के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला कोलकाता के इंडन गार्डन्स में आयोजित होगा। सूर्या इस मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल हो सकते हैं। वे मुंबई टीम का हिस्सा हैं। सूर्या पिछले काफी वक्त से बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाए हैं। लेकिन वे इस मैच के जरिए फॉर्म में आने की कोशिश करेंगे। सूर्यकुमार यादव मुंबई टीम का हिस्सा हैं और मुंबई के नियमित कप्तान अजिंक्य रहाणे हैं। राहुगें लंबे वक्त से टीम की कप्तानी कर रहे हैं। वे सीनियर खिलाड़ी भी हैं। जबकि सूर्या लगातार इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलते हैं। वे टी20 फॉर्मेट में भारत के कप्तान हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप विजेता टीम इंडिया को मिली डायमण्ड रिंग

नई दिल्ली, 7 फरवरी। भारत ने पिछले साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया की जीत के बाद विकटो परेडा का आयोजन हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों को अवॉर्ड शो में भी सम्मानित किया गया था। बीसीसीआई ने हाल ही में नमन आंबेड्से का आयोजन किया था। इस दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ियों को हीरे की अंगुठी गिफ्ट की गई। ये अंगुठी काफी महंगी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया। ये नमन आंबेड्से का है। इसमें खिलाड़ियों को अंगुठी को दिखाया गया है। बीसीसीआई ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि, टीम इंडिया को सम्मानित करते हुए उन्हें चैंपियंस रिंग दी गई।



इस अंगुठी की सबसे बड़ी और पहली खासियत तो यही है कि ये चैंपियंस की रिंग है। इसके साथ-साथ इसे बहुत ही खास तरीके से डिजाइन किया गया है। रिंग पर हर खिलाड़ी का नाम लिखा गया

लिवरपूल की जीत से इंग्लिश लीग कप के फाइनल में, अब मुकाबला न्यूकैसल से



लंदन, 7 फरवरी। गत चैंपियन लिवरपूल ने सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए टोटेनहम को 4-0 से हराकर इंग्लिश लीग

कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना न्यूकैसल से होगा। लिवरपूल सेमीफाइनल के पहले चरण में एक गोल से हार गया था लेकिन दूसरे चरण में उसने बाजी पलटने में कोई कसर नहीं छोड़ी और 4-1 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। लिवरपूल की तरफ से पहले हाफ में फ्रॉरवर्ड कोडी गार्को ने गोल करके उसे शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहम्मद सलाह, डोमिनिक स्त्रोबोस्जलाई और वर्जिल वान डिक के गोल की मदद से उसने सेमीफाइनल के दूसरे चरण को एकतरफा बना दिया। अपने खिताब का बचाव करने के लिए लिवरपूल 16 मार्च को वेम्बली स्टेडियम में फाइनल में न्यूकैसल का सामना करेगा। न्यूकैसल ने पिछले 70 साल से कोई बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट नहीं जीता है।

किदांबी श्रीकांत: खेल के लिए बना मांसाहारी, तोड़ा परिवार का रिवाज, भाई की जिद से बना वर्ल्ड नंबर 1

नई दिल्ली, 7 फरवरी। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिकन किदांबी श्रीकांत यकीनन भारत के सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक हैं। विश्व रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंचने के साथ-साथ वह विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्ति बन गए हैं। वे 2021 बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचने वाले और टूर में सुपर सीरीज प्रीमियर इवेंट में पुरुषों का खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी भी हैं। किदांबी को 2018 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था और 2015 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। आंध्र प्रदेश के रावुलापलेम में श्रीकांत नम्मावारण किदांबी का जन्म 7 फरवरी 1993 एक तेलुगु परिवार में हुआ था। उनके पिता केवीएस कृष्णा एक जमींदार हैं और उनकी

माँ राधा एक गृहिणी हैं। किदांबी श्रीकांत के बड़े भाई के. नंदगोपाल भी बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और अपने भाई के साथ जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन हैं। वे 2008 तक एक ही घर में रहते थे और फिर श्रीकांत अपनी प्रैक्टिस जारी रखने के लिए गोपीचंद अकादमी चले गए। वह अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर 2001 में गुंदूर में बैडमिंटन खेलना शुरू किया। आगले साल वो और उनके भाई दो साल के प्रशिक्षण के लिए आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के स्पोर्ट्स अकादमी में चले गए। जहां कोच ने उन्हें डबल्स के बजाय सिंगल्स खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

कटक में भारत की प्लेइंग 11 में हो सकते हैं दो बदलाव

कटक, 7 फरवरी। भारतीय टीम ने गुरुवार को इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत की। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 2 और मैच बाकी हैं। इन 2 मैचों में टीम अपने सभी विकल्प आजमाने का प्रयास करेगी। ऐसे में रिविज को कटक में भारतीय टीम की प्लेइंग 11 में 2 बदलाव हो सकता है। टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव बल्लेबाजी और दूसरा गेंदबाजी में हो सकता है। बल्लेबाजी में बदलाव तो तय है। विराट कोहली घुटने में तकलीफ के कारण पहला वनडे नहीं खेलेंगे। दूसरे वनडे में उनकी वापसी तय है। नागपुर में ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ने वाले श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद खुलासा किया कि कोहली उपलब्ध होते तो वह प्लेइंग 11 में नहीं होते। विराट कोहली के ना होने पर यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू किया। उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। श्रेयस अय्यर की बातों से एग्साइटेड कि रोहित शर्मा के साथ यशस्वी ओपनिंग के पसंद हैं। शुभमन गिल नंबर 3 और विराट

कोहली नंबर 4 पर होते। इसकी एक वजह कोच गौतम गंभीर हैं, जिनको लेफ्ट हैंड राइट हैंड कॉम्बिनेशन पसंद है। नागपुर में श्रेयस अय्यर ने जिस तरह की बल्लेबाजी की उन्हें प्लेइंग 11 से बाहर रख पाना मुश्किल है। ऐसे में कोहली को वापसी जायसवाल की जगह हो सकती है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम को अपने सभी विकल्प आजमाने हैं। ऐसे में हार्थित राणा की जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिल सकता है। जसप्रीत बुनाराह की फिटनेस रिपोर्ट अभी नहीं आई है। ऐसे में अर्शदीप और राणा को दो-दो मैच दिए जा सकते हैं। इसके अलावा कुलदीप यादव ने चोट से वापसी की है। ऐसे में उन्हें दूसरे वनडे में भी मौका मिल सकता है। भारत की दूसरी वनडे के लिए संभावित प्लेइंग 11, रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, हार्थित राणा/अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी।

38वें राष्ट्रीय खेलों में वुशू खेल के पदक विजेता खिलाड़ियों ने डॉ. नीरज कुमार पवन से की मुलाकात

राजस्थान वुशू टीम ने 4 स्वर्ण, 1 रजत व 6 कांस्य पदक कुल 11 पदक जीत कर इतिहास रचा



जयपुर, 7 फरवरी। देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित हुए, 38वें राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए, 4 स्वर्ण, 1 रजत व 6 कांस्य पदक कुल 11 पदक जीत कर इतिहास रचा। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के बताया की राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शुभम गोरा, नितिका बंसल, महक शर्मा, नीलम चौधरी, रजत पदक विजेता मेधा जोशी

तथा कांस्य पदक विजेता देवराज सिंह, विकास यादव, आनंद सैनी, भानु प्रताप खेलो में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए, 4 स्वर्ण, 1 रजत व 6 कांस्य पदक कुल 11 पदक जीत कर इतिहास रचा। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के बताया की राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शुभम गोरा, नितिका बंसल, महक शर्मा, नीलम चौधरी, रजत पदक विजेता मेधा जोशी

ऑफिसियल को माला पहनाकर कर स्वागत किया तथा 11 पदकों के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर राजस्थान प्रदेश का देश में गौरव बढ़ाने पर खिलाड़ियों को बधाई दी तथा आगामी वुशू प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें। इसके लिए खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया व भविष्य के शुभकामनाएं प्रदान की।

गिल ने कहा, कोहली इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगे दूसरा वनडे?



नई दिल्ली, 7 फरवरी। विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा वनडे खेलेंगे या नहीं ये इस समय का सबसे बड़ा सवाल है। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड तीन मैच की वनडे सीरीज का आगाज 6 फरवरी को नागपुर में खेले गए पहले मुकाबले से हुआ। इस मुकाबले की शुरुआत में फैस का दिल उस समय टूटा जब उन्हें पता चला कि, चोटिल होने की वजह से किंग कोहली मैच नहीं खेल रहे हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस के दौरान बताया कि विराट कोहली के घुटने में दिक्कत है जिस वजह से वह मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह नागपुर वनडे में श्रेयस अय्यर को खेलने का मौका मिला। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक में खेला जाना है। क्या इस मुकाबले से पहले विराट कोहली फिट हो पाएंगे। फैस की जुबां पर यही सवाल है। इस सवाल का जवाब भारत को हार से बचाने के लिए टीम स्टाफ बल्लेबाज कटक में दूसरे वनडे के लिए टीम स्टाफ आ जाएगा। गिल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि, जब वह सुबह उठे तो उनके घुटने में सूजन थी। कल के अन्ध्रास सत्र तक वह ठीक थे। चिंता की कोई बात नहीं है।

वार्षिक खेल समारोह में बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का किया प्रदर्शन



जयपुर, 7 फरवरी। घुड़सवार द्वारा विद्यालय के ध्वज तथा परिामपूर्ण कदमताल एवं सम्मान की सलामी के साथ ओलंपिक एट स्कूल खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. जयश्री पेड़ीवाल ने विद्यालय झण्डारोहन तथा मशाल प्रज्वलित करके खेल समारोह को प्रारंभ किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षण अलग-अलग प्रकार की दौड़ प्रतियोगिताएं रहीं। जिसमें बच्चों ने बड़ी उत्सुकता के साथ हिस्सा लिया। यह अवसर था जयपुर के जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिक खेल समारोह का। इस अवसर पर जयश्री पेड़ीवाल स्कूल समूह की निदेशिका डॉ. जयश्री पेड़ीवाल के साथ विद्यालय के शैक्षिक निदेशक, आयुष पेड़ीवाल तथा आकृति पेड़ीवाल की उपस्थिति ने सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. जयश्री पेड़ीवाल ने अपने प्रेरक भाषण के मध्यम से नव सृजनशील मस्तिष्कों एवं प्रतिभावान नवयुवाओं को जीवन में खेलों के महत्त्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जीतने से ज्यादा प्रतियोगिता का हिस्सा बनना अहम है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अनिवार्य अंग है। उनकी कक्षा की भी लीक से हटकर कुछ नया करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए। उनके जोशभरे शब्दों से प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को बल मिला। समारोह में अध्यापकों एवं विद्यार्थी परिषद के बीच रस्साकशी के रोमांचक मुकाबले ने भी दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने स्कूल द्वारा प्रदान की जा रही चहुंमुखी शिक्षा तथा खेल के वैभवपूर्ण परिवेश के लिए प्रशंसा की। बुर-भरि प्रशंसा की। साथ ही प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. जयश्री पेड़ीवाल ने अपने प्रेरक भाषण के मध्यम से नव सृजनशील मस्तिष्कों एवं प्रतिभावान नवयुवाओं को जीवन में खेलों के महत्त्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जीतने से ज्यादा प्रतियोगिता का हिस्सा बनना अहम है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अनिवार्य अंग है। उनकी कक्षा की भी लीक से हटकर कुछ नया करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए। उनके जोशभरे शब्दों से प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को बल मिला। समारोह में अध्यापकों एवं विद्यार्थी परिषद के बीच रस्साकशी के रोमांचक मुकाबले ने भी दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने स्कूल द्वारा प्रदान की जा रही चहुंमुखी शिक्षा तथा खेल के वैभवपूर्ण परिवेश के लिए प्रशंसा की। बुर-भरि प्रशंसा की। साथ ही प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. जयश्री पेड़ीवाल ने अपने प्रेरक भाषण के मध्यम से नव सृजनशील मस्तिष्कों एवं प्रतिभावान नवयुवाओं को जीवन में खेलों के महत्त्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जीतने से ज्यादा प्रतियोगिता का हिस्सा बनना अहम है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अनिवार्य अंग है। उनकी कक्षा की भी लीक से हटकर कुछ नया करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए। उनके जोशभरे शब्दों से प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को बल मिला। समारोह में अध्यापकों एवं विद्यार्थी परिषद के बीच रस्साकशी के रोमांचक मुकाबले ने भी दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।